VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

*निर्धारित समय: **तीन घंटे***
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड / **Test Code : 2488**

*अधिकतम अंक: **250***
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1447625

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : NEERAJ SONGARA

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

HINDI

निबंध
ESSAY

तारीख
Date

25- Aug - 2023

केंद्र
Centre Delhi-03

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे | टेस्ट कोड : 2488 | अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours | Test Code : 2488 | Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।

It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।

A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।

Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।

History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।

The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।

The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।

Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड – A / SECTION – A

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।

"किसी राष्ट्र की प्रगति, समृद्धि का आधार उस राष्ट्र के बच्चे होते हैं।"
— ए.पी.जे कलाम

जैसा कि हमारे भूतपूर्व राष्ट्रपति जी ने कहा है कि राष्ट्र के निर्माण में, उसके सपनों को साकारित करने हेतु, राष्ट्र के चरित्र को आकार देने में बच्चों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इस बात

को समर्थन करता है कि मजबूत बच्चों का निर्माण टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में अपेक्षाकृत आसान होता है।

यह बात ठीक ऐसी ही है कि एक कृषक द्वारा खेती के स्तर पर बीजारोपण, कृषि भूमि की सिंचाई को फसल के उग जाने के बाद के स्तर से अधिक महत्व दिया जाता है ऐसा करने का कारण यह है कि यदि आरंभिक स्तर पर ही यदि वह ऐसा न करेगा तो फसल के उग जाने के पश्चात उससे प्राप्त अन्न गुणवत्ता, मात्रा की दृष्टि से कमज़ोर होगा फलत: उसे न तो वह स्वयं खा सकेगा न ही उसके द्वारा कुछ बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इसी प्रकार यदि मजबूत बच्चों का निर्माण करने में असफल रहने के क्रम में हमारे समाज, देश को टूटे हुए वयस्क मिलेंगे जिनकी मरम्मत करना आसान नहीं होगा।

सबसे पहले हमें यह जानना आवश्यक है कि मजबूत बच्चें क्या होते है? इसका निर्माण कैसें होगा? और यह टूटे वयस्क की मरम्मत के तुलना में निर्माण में कैसे आसान है?

वस्तुत: मजबूत बच्चों का संदर्भ हम गांधी जी के उदाहरण से समझ सकते है। जब वह छोटे थे तो उन्हे उनकी माता गीता का पाठ पढ़ाती थी जिससे उनके मन मस्तिष्क पर धर्म की नैतिक छवि बन गयी फलत: उनके कर्मों में

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

हमें सत्य, अहिंसा, निष्काम कर्तव्य की भावना देखने मिलती हैं। इस तरह उनके आरम्भिक जीवन में हुए सुधार कार्य का परिणाम भारत की आज़ादी में के रूप में परिलक्षित हुआ।

इसी प्रकार यदि बच्चों को आरम्भ से नकारात्मक कृत्यों, कथनों क्रियाओं से दूर नहीं रखा जाता तो उनके चरित्र पर भी इसका दुष्परिणाम देखने मिलता है जिसके फलस्वरूप वे वयस्क काल में अनेक गलत [redacted] आदतों जैसे:- नशा, चोरी, हिंसा आदि के प्रति आकर्षित होते है फलत: वे टूट जाते है जिनकी मरम्मत करना कठिन हो जाता हैं।

बच्चे एक कोरी स्लेट के समान होते है जिन्हे मजबूत (चरित्रवान) बनाना तुलनात्मक रूप से आसान होता है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

बच्चों की प्रथम पाठशाला उनका घर होता है जहां व अनुकरण और अनुसरण के माध्यम से सीखता है। इस संदर्भ में आवश्यक हो जाता है कि वह समावेशिता, सहिष्णुता, समतावादी माहौल में बड़ा हों इसके लिए परिवार का जागरूक होना आवश्यक हैं। एक बच्चा किसी महिला के संदर्भ में किस तरह का दृष्टिकोण रखता है इसका प्रभाव, बहुत हद तक उसके परिवार में महिलाओं के प्रति व्यवहार से परिलक्षित होता है। यहा अम्बेड़कर जी का कथन महत्वपूर्ण हो जाता है जो कहते है कि "मैं किसी समाज की प्रगति को उस समाज में महिलाओं के प्रति किये गये व्यवहार से मापता हूँ।"

आगे स्कूल की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण हो जाती है जहा वह

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सहयोग, समन्वय, सहचर्य, प्रतिस्पर्धा, खेल भावना आदि के गुणों को ग्रहण करता है इस संदर्भ में आवश्यक है कि वह स्कूलीशिक्षा समतावादी, वहनीय, नैतिक उत्थान, को बढ़ावा देती हो साथ ही समाज के सभी वर्गों के पहुंच में हों। इस संदर्भ में भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 एक अच्छा प्रयास करती है। इसी प्रकार शाला में मध्याह्न भोजन कार्यक्रम द्वारा बच्चों के पोषण कल्याण को तो महत्व दिया ही जा रहा है किंतु, साथ ही इसके द्वारा समाज में व्याप्त जातिवादी विचारों को भी धीरे-धीरे समाप्त करने में सहायता मिल रही हैं।

उपरोक्त कार्य भले ही आसान प्रतीत न होते हो किंतु यदि हम

टूटे हुए वयस्कों की मरम्मत के खर्च व टूटे हुए वयस्कों का समाज पर प्रभाव को देखेंगें तो शायद हमारे विचारों में परिवर्तन आ जाये।

वस्तुत टूटे हुए वयस्कों के विचारों में परिवर्तन तुलनात्मक रूप से कठिन कार्य हैं ~~क~~ क्योंकि, जीवन के आरम्भिक काल में उसके विचारें का प्रभाव स्थायी प्रकृति का हो सकता हैं ऐसे ही इसे बदलने हेतु राज्य को विधायी प्रयास भी करना पड़ जाये जिसका आर्थिक खर्च भी बच्चों पर किये जाने वाले खर्च की तुलना में अधिक होगा।

इसी प्रकार टूटे वयस्क के समाज पर प्रभाव की बात करे तो ऐसा समाज जहाँ वयस्क अशिक्षा, बेरोजगारी, नैतिक पतन, ~~व्यसन~~ व्यसन से ग्रस्त हो उस समाज का राजनीतिक आर्थिक पतन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

की गति बढ़ जायेगी । समाज में सामाजिक अपराधों की प्रवृत्ति बढ़ेगी जिसके चलते राज्य का सुरक्षा पर खर्च बढ़ेगा । ऐसा युवाओं जिस को गैर- राष्ट्र अभिकर्ताओं द्वारा राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में भी प्रयुक्त किया जा सकता हैं । फलस्वरूप: राष्ट्र व विश्व में अनैतिक व्यापार को बढ़ावा मिलेगा तो साथ ही ऐसा तकनीकी कौशल से युक्त युवा जो नैतिकता से रहित होगा समाज में आर्थिक अपराधों को भी बढ़वा देगा ।

लेकिन, इसका अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि वयस्क की मरम्मत के प्रयास ही न किये जायें । वस्तुत: भारत के संदर्भ में ही देखा जाये तो उसकी माध्य आयु लगभग 28 वर्ष होगी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

तो वही आबादी का एक बड़ा वर्ग जनसांख्यिकी लाभांश की आयु में आता है अतः वयस्क के मरम्मत के प्रयास आवश्यक है। इस संदर्भ में प्रयासों के स्तर पर शैक्षणिक, नैतिक और विधिक प्रयास किये जाने आवश्यक हैं।

युवा आबादी की बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु स्टार्ट अप इंडिया, स्किल इंडिया, PM कौशल विकास योजना 4.0 की घोषणा जिसके अन्तर्गत AI, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, मशीन लर्निंग आदि के स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। तो वही नैतिक उत्थान हेतु कई सामाजिक संस्थाए प्रयासरत है।

ऐसे ही विधिक प्रयासों में हाल ही में मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में सकारात्मक प्रयास किये जा रहे है

इस संदर्भ में आत्महत्या के प्रयास को अपराध मानने के बजाय उस व्यक्ति के स्वास्थ्य को महत्व देकर उसके सहायता को महत्व दिया गया है तो वही हाल ही में NDPS एक्ट में सुधार करते हुए युवा वर्ग जो इससे पीड़ित के प्रति संवेदना दिखाते हुए उसे समाज में पुन: मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि उस व्यक्ति को नशें के चंगुल से निकाला जा सके तो वही ड्रग्स तस्करों के प्रति कठोर कार्यवाही के लिए भी संस्थागत प्रयासों को बढ़ावा मिला है।

इस प्रकार ~~समग्र~~ समग्र रूप में देखा जाये तो हमारा प्रयास आरम्भिक काल से ही ~~समाज~~ बच्चों में मजबूती प्रदान करने का होना चाहिए

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

किंतु, एक बात को ध्यान में रखते हुए कि इस मजबूती प्रदान करने के क्रम में कहीं हम उनका बचपन ही न छिन ले। हमें उन्हें मजबूती आत्मबल, साहस, निडरता, संयम, धैर्य आदि मूल्यों को उनमें विकसित करके देना है। साथ ही मजबूती के साथ ही उन्हें लचीला बनाये रखना भी जरूरी है ताकि वे वक्त के साथ नये विचारों, स्थानों, समाजों के साथ ढल सके। इस संदर्भ में यह विचार महत्वपूर्ण है —

"हमें बच्चों को सीखाना चाहिए कि सोचना कैसें है? सोचना क्या है? यह बात उनपर छोड़ देना अधिक उपयुक्त है।"

इसी प्रकार संस्थान के स्तर पर भी समाज, देश विश्व के कल्याण हेतु

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मजबूती प्रदान करने के प्रयास बहुआयामी होने चाहिए ताकि बच्चों को मजबूती प्रदान कर आने वाले युवाओं को टूटने से बचा सके तो वही वर्तमान युवा में सुधार कर उन्हे बच्चों के लिए रोल मॉडल बना सके।

जिस प्रकार एक घर को रहने लायक बनाने हेतु आवश्यक है कि उसका आधार मजबूत हो ताकि वह तूफानों, भूकम्पों और अन्य आपदाओं का सामना कर सके तो वही समय समय पर ~~ब~~ उसकी रँगाई-पुताई भी रहने वालों के आंतरिक सुख हेतु महत्वपूर्ण है अतः हमें बच्चों को मजबूत बनाते हुए युवाओं के घावों पर भी मरहम लगाने का कार्य करना चाहिए ताकि अमृतकाल की अमृत पीढ़ी 2047 तक विकसित राष्ट्र के प्रण को पूरा करने में सफल हो सके।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margi

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।

The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।

The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।

Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

कुछ समय पूर्व कंबोडिया में एक निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें सवार 7 लोगों में से 3 व्यक्ति की इस दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है इसमें पायलट व एक परिवार के माता-पिता शामिल थे जो इस हादसे का शिकार हो जाते है। कई दिनों के बाद भी जब कोई अन्य सदस्य

नहीं मिलता है तो ~~3~~ प्रशासन द्वारा उन्हे भी मृत मान लिया जाता है किंतु, उसी परिवार की बुढ़ी ~~[illegible]~~ दादी माँ को विश्वास रहता है कि हादसे में उसकी पौती व पोते सुरक्षित बच गये होंगे वह ~~[illegible]~~ ~~[illegible]~~ हादसे के स्थान पर स्थानीय जनजातियों के सहयोग से पहुंचती है और उन लोगों के प्रयास से उसके पोते जो केवल 11 माह, 4 वर्ष व पौतियां जो की 11 व 13 वर्ष की थी को सकुशल पाती है। ऐसा होना किसी आश्चर्य से कम नहीं। वस्तुतः हादसे को हुए लगभग 3 हफ्ते हो चुके थे इन दिनों जंगल में जानवरों से बचना व अपने भोजन आवश्यकता की पूर्ति किसी चुनौती से कम नहीं थी।

किंतु, वे छोटे, मासूम बच्चे ऐसा कर सके क्योंकि, उन्होंने जंगल में

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उन्होने डर के अँधेरे को नहीं बल्कि, छोटे- छोटे वृक्षों से छनकर आती छोटी-छोटी रोशनी को आशा की किरण के रूप में देखा उन्होने अपनी स्कूली ज्ञान को व्यवहार के स्तर पर प्रयोग किया 13 वर्षीय बालिका को प्राप्त सर्वाइविंग ट्रेनिंग ने उसके व उसके भाई-बहनों की आशा को बनाये रखा फलतः वे अपने माता-पिता को खो जाने के बावजूद इस संकट से निकलने में सफल हो सके।

इस घटना से हम सीख सकते हैं कि कैसे हमें अपने चेहरे को सदैव रोशनी की ओर रखना चाहिए और छाया (डर) को अपने उपर हावी नहीं होने देना चाहिए।

वस्तुतः रोशनी अपने आप में सकारात्मकता, साहस, उम्मीद को अपने

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

में समाहित करके होती है। इसे हम लगातार परिश्रम, अभ्यास से अर्जित कर सकते हैं वस्तुतः यह लगातार प्रयास ही तो थे जिसके चलते 1000 बार ~~असफल~~ असफल प्रयासों के बावजूद एडीसन बल्ब की खोज कर सके।

23 अगस्त को चन्द्रयान-3 का चन्द्रमा पर कदम रखना भी तो आशावाद का उदाहरण है वस्तुतः 7 सितम्बर 2019 की कमियों से प्रेरणा लेकर सुधार का एक बेहतरीन उदाहरण है। स्वयं को रोशनी की ओर रख कर ही इसरो ऐसा करने में सफल रहा जिसके फलस्वरूप भारत – दक्षिणी विश्व का नेतृत्वकर्ता चाँद के दक्षिणी छोर पर प्यारे तिरंगे व अशोक चिंह की छाप छोड़ने वाला प्रथम राष्ट्र बन सका।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वस्तुत: अब यदि बात की जाये लोकतंत्र की तो यहाँ भी रोशनी की महत्वपूर्ण भूमिका है वस्तुत: यह हम रोशनी को सूचना के संदर्भ में ले सकते हैं जिस प्रकार "सूर्य का प्रकाश एक अच्छा रोगाणुरोधी होता है वैसे ही सूचना लोकतंत्र में भागीदारी, सहभागिता, उत्तरदायित्व को बढ़ाती है। इससे लोगों का शासन में विश्वास बढ़ता है फलत: समग्र मानव जाति का कल्याण सुनिश्चित हो पाता है।

वहीं इसके अभाव में गोपनीयता को बढ़ावा देने से विवेकाधीन अधिकारों का प्रयोग बढ़ता है फलत: लोगों के विश्वास में कमी आती है।

ऐसे ही व्यक्ति के स्तर पर भी स्वयं को रोशनी की ओर रखना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

छाया से बचने हेतु महत्वपूर्ण हैं इसे हम मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले की लाहिरी बाई की जीवन गाथा से जान सकते है वस्तुत: बचपन में ही परिवार की कठिन परिस्थितियों के चलते शिक्षा से वंचित रही तो वही समाज की उपेक्षा भी उन्होने झेली किंतु उन्होने जीवन में दो लक्ष्यों को महत्वपूर्ण माना पहला अपने माता- पिता की जीवन भर सेवा तो दूसरा कृषि में भारतीय परम्परा के ज्ञान को अर्जित करना | इसके चलते उनके प्रयासों से वह डिंडोरी में मिलेट सीड बैंक की स्थापना कर 150 से अधिक मिलेट प्रजातियों को संरक्षित करने का प्रयास कर रही हैं जो गांव के लोग कभी उनके प्रयासों को निरर्थक बताते थे आज वह भी उनके प्रयासों का लाभ निःशुल्क ले रहे हैं |

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस प्रकार ये सभी उदाहरण हमें बताते है कि कैसें कठिन परिस्थितियों का सामना करने में विश्वास की रोशनी महत्वपूर्ण होती है तथा इसे बनाये रखने के क्या प्रयास किये जा सकते है? अब हमे यह ~~सामना~~ भी जानना चाहिए कि कैसे छाया के अंधेरे से बचा जाये?

वस्तुत: यह छाया हमें नकारात्मकता, अविश्वास, डर से परिचित कराती हैं इसके फलस्वरूप हम हमारे प्रयासों को प्रश्नचिंह करने लग जाते है जिसका अंतिम प्रभाव हमारे कार्यों के परिणाम पर पड़ता हैं। इस क्रम में हमारे लिए महत्वपूर्ण हो जाता हैं कि हम हमारे प्रयासों के साथ साथ अपने नैतिक बल पर भी भरोसा रखना सीखें।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वस्तुतः हमारे पौराणिक ग्रंथ भी हमें इसकी प्रेरणा देते है जिसे राष्ट्रकवि दिनकर जी की निम्न पंक्तियों से समझा जा सकता है-

"सह धूप, छाह, पानी कंकर
पांडव आये कुछ और निखर.."

वस्तुतः कौरवों की विश्व सेना पर जितने में पांडवों द्वारा सत्य ~~की~~ संयमी, कुल के सम्मान, नारी के सम्मान को ही चेहरे की रोशनी बनाया गया जिसके और वे चलते बढ़े और अंतत कौरवों का नाश कर धर्म की विजय सुनिश्चित की।

ऐसे ही राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी गांधी जी के नेतृत्व में चला आंदोलन भी हमें निराशा, हताशा, अविश्वास को छोड़

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आत्मबल, सत्याग्रह, अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। वस्तुत: ब्रिटिश सूरज को अस्त करने के लिए भारत के नेतृत्व में चले आंदोलन ने न केवल भारत से उपनिवेशवाद को समाप्त किया बल्कि भारत की स्वतंत्रता से एशिया- अफ्रीका महाद्वीप में औपनिवेशिक मुक्ति का दौर आरम्भ हुआ)

हालांकि, ~~एक अन्य संदर्भ~~ छाया दिखाई न देना का एक अन्य संदर्भ भी लिया जा सकता है वस्तुत: जब व्यक्ति सफलता प्राप्ति के मद में आत्मविश्वास से अत्यधिक भर जाता है तो वह अपनी जमीन को भी भूल जाता है वस्तुत: इतिहास में हमे कई उदाहरण देखने मिलते

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

है जो इस बात की पुष्टि करते है वस्तुत: नेपोलियन द्वारा जब फ्रांसीसी क्रांति को आधार बनाकर फ्रांस का ताज हासिल किया जाता है तो वह स्वयं क्रांति के विचारों के ~~विरुद्ध~~ विरोधी कार्यों में संलग्न हो जाता है ~~और~~ और अन्तत: वाटरलू की लड़ाई में उसका पतन हो जाता है।

इसलिए व्यक्ति, राष्ट्र अपनी सफलता को स्थायी न मान कर लगातार सकारात्मक प्रयासों को जारी रखे। वस्तुत: जिस प्रकार इसरो द्वारा चन्द्रयान -II की असफलता की परछाई को ध्यान में रखकर नये प्रयासों की रोशनी को बनाये रखकर हाल में सफलता अर्जित की गयी वैसे ही हम ~~अब~~ अन्य क्षेत्रों में इसे अपना सकते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

समग्र रूप में कहा जाये तो व्यक्ति के प्रयासों, मेहनत व लगन के साथ एक महत्वपूर्ण चीज है तो वह अपने चेहरे पर आशावाद की रोशनी। इसके बूते ही व्यक्ति कठिन से कठिन कार्य को कर गुजरने की प्रेरणा बनाये रखता है। यह व्यक्ति को नैतिक बल प्रदान करती है। अब्राहम लिंकन का अमेरिका जैसे बहुलतावादी समाज में दासप्रथा का समाप्त करने के प्रयास में उनका आशावादी दृष्टिकोण ही महत्वपूर्ण था।

ऐसे ही संकट काल में आपदा को अवसर में बदलने की प्रेरणा ही छाया (अंधेरे) को समाप्त करने की प्रेरणा देती है। हमे यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि अंधेरा चाहे कितना ही घना क्यों न हो वह प्रकाश की छोटी सी किरण को रोक पाने में असमर्थ होता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

साथ ही यह भी महत्वपूर्ण है कि हम हमारे जीवन में संतुलन को बनाये रख सके ताकि रोशनी का तेज हमारे आँखों को जला न दे तो वही अंधेरा हमें हमेशा अवसर प्राप्ति से रोक न सके।

हमारे लिए आवश्यक है कि हम स्वयं के धैर्य को बनाये रखते हुए अंधेरे, छाया से प्रेरणा लेकर सफलता प्राप्ति की ओर अग्रसित हो एवं समस्त मानव जाति का कल्याण कर सके।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

inside को देखो

SPACE FOR ROUGH WORK

अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

→ क्यों कैसे

-ve -ve
+ve

→ क्यों
→ क्या यह सही है

→ छाया दिखाई देगी → तो कद पता चलेगा
→ जमीन से जुड़ाव का अहसास
→ Heagiy.

कर्म संतुलित

~~① HOPE कल्पोडियां Plane crash~~

② रोशनी → आशा, उम्मीद, सकारात्मक ऊर्जा
→ कैसे: – परिश्रम साहस, लगातार अभ्यास
लिंकन — चन्द्रयान-III — थामस एडीसन
सभी समस्या बनाये रखें — कोहली बाई

③ छाया → क्यों नहीं]- डर, हताशा, निराशा

④ लेकिन छाया दिखाई देना भी जरूरी — चन्द्रयान-II → K. Sivan

⑤. संतुलन
→ रोशनी → नेत्र- जला न पाये
→ अंधेरा डरा न पाये।

आपदा को अवसर में बदलने की क्षमता रखी जाये

①. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।

↓

· क्यों कठिन

निष्कर्ष

आधार के सुधार ज्यादा स्पष्ट

ऐतिहासिक

① ~~Story~~

टूटी कल — मानसिक

हर शोषण ② [वयस्क की मरम्मत कठिन क्यों → Rigid → Path set → ढालना कठिन

③ बच्चे → कोरी स्लेट के समान (मरम्मत आसान)

गांधी, ओबामा

↳ किसी बड़े कार्य के लिए बने हैं

राजस्व प्रज्ञानानंद

④ (NEP) → नैतिक उत्थान

⑤ लेकिन, फिर भी व्यस्क की मरम्मत आवश्यक

↳ लेसारियुक्ती (२१).

व्यस्क नशा, Hate crime, Cyber bulling

रैगिंग

कैसे → · विधिक

→ · सामाजिक → परिवार के स्तर पर

⑥ · निष्कर्ष → (दोनों में सुधार जरूरी)

· 2047 → विकसित भारत

↳ नैतिक उत्थान

↳ वसुधैवकुटुम्बकम्